मुख्य अतिथि महोदय का संबोधन

- मेरे सहकर्मी केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, आई.सी.ए.आर. डा. त्रिलोचन महापात्रा, उप महानिदेशक, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, वैज्ञानिकगण एवं प्रिय किसान भाइयों-बहनों, यहां उपस्थित विशिष्ठ अधिकारीगण, प्रेस व मीडिया के बंधुओं, देवीयों सज्जनों ।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मेला प्रांगण में आप लोगों के बीच उपस्थित होकर मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। भारतीय कृषि के जनक, किसान एवं वैज्ञानिकों के साथ हम लोग यहाँ इस कृषि उन्नति मेले में शामिल होकर हमें यह प्रतिज्ञा लेनी है कि दूसरी हरित क्रांति लानी है जो टिकाऊ और किसानों की आय बढ़ाने में भी सक्षम हो।
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान जो पहली हरित क्रांति का जनक रहा है आज फिर हमारे देश के किसान उन वैज्ञनिकों से मुखातिब है और बढ़ी आशा भरी नजरों से उनकी ओर देख रहे हैं। मुझे यह बताने में अपार हर्ष हो रहा है कि इस संस्थान के द्वारा विकसित प्रजातियों के प्रचलन से आने से हमारे देश की कृषि व्यवस्था में सार्थक एवं गुणात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। आज हम खाद्यान्न आपूर्ती में सक्षम हैं और दूसरे देशों की मदद भी कर रहे हैं। हम दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, फल-सब्जी उत्पादन में भी उत्कर्ष प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी इस उपलब्धि के लिए मैं

इस देश के कृषि, पशु, मत्स्य वैज्ञनिकों एवं किसानों को बधाई देता हूँ। हमारे किसान भाइयों ने आगे आकर वैज्ञनिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाने में अभीतपीर्व योगदान दिये हैं।

- भाइयों, लेकिन कृषि उन्नति का यह सफर अभी भी अधूरा है। हमें अपने प्रधानमंत्री के सपने की किसानों की आय दुगनी होनी है, इसे पूरा करना है। और कृषि में चुनौतियाँ बहुत है। जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक प्रकोप, कुपोषण आदि उनमें से प्रमुख है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान प्राकृतिक प्रकोप का मुकाबला करने वाली प्रौद्योगिकियों जैसे बाढ़ एवं सूखा प्रतिरोधी क्षमता, लवणता सहनशील किस्मों का विकास एवं जैविक कारकों जैसे कीट एवं रोग प्रतिरोधी क्षमतायुक्त प्रजातियों का विकास कर रहे हैं।
- किसानों के संरक्षण, उनके सशक्तीकरण, और उनकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं पशु शोध से तैयार की गई फसलों की नई नई किस्में, तकनीकियाँ, व विशेष योजनाएँ एवं कार्यक्रमों की समेकित जानकारी आपको इस मेले के माध्यम से एक ही जगह पर देखने को मिलेगी।
- किसानो का विकास एवं उत्थान हमारी सरकार की सबसे हपली व सबसे महत्वपूर्ण प्राथमीकरता है। इस लिए हमारी सरकार ने एक लक्ष्य निर्धारित किया है कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दुगुना करना।
- सतत कृषि विकास की आवश्यकता को साकार करमे के लिए भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने रखना अति आवश्यक है। भारतीय

प्रधानमंत्री जी ने इसकी गंभीरता को समझते हुए सोयल हेल्थ कार्ड योजना की शुरुआत फरवरी 2015 में ही की हैं। 460 मृदा परीक्षण प्रयोगशाला मंजूर की गई है। जिसका भरपूर लाभ किसान भाइयों को मिलेगा।

- हमारे वैज्ञानिकों की शोध सीधे किसान भाइयों को मिले इसके लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने काफी प्रयास किया है। हमने किसान भाइयों को 24 घंटों वाला दूरदर्शन कार्यक्रम डीडी-किसान समर्पित किया है।
- हमने कृषि विज्ञान केन्द्रों को 665 तक पहूँचा दिया हैं जिससे किसान भाई पर्शिक्षण ले सके तथा नई कृषि तकनीकों को अंगीकृत कर सके। भारत सरकार की कैबिनेट ने 3960 करोड रुपये की स्वीकृति कृषि विज्ञान केन्द्रों को संचालित करने हेतु दी है।
- कृषि मंत्रालय से दलहन के कार्यक्रम 350 जनपदों में तिलहन पर कार्यक्रम 200 जनपदों में चलाने हेतु अतिरिक्त धन उपलब्ध कराया जाएगा। परंपरागत कृषि विकास यौजना पर विशेष बल दिया गया है जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा ।
- भारत सरकार ने मई 2015 से नीम लेपित यूरिया उत्पादन करने हेतु विनिर्माताओं के लिए अनिवार्य कर दिया है। सरकार ने डी.ए.पी. और एम.ओ.पी. की लागत को भी काफी घटा दिया है जिसस् किसान भाइयों की जेब पर बोझ कम पड़े।

- हमारे मंत्रालय ने पूरे देश में एक कीमत ई-प्लेटफार्म के माध्यम से थोक मंडियों को जोडने के लिए प्रतिबध है जिससे किसान भाई अपने उत्पाद को उचित मूल्य पर उचित मंडी में बेच सके।
- हमारे किसान भाई को प्राकृतिक आपदा जैसे सूखे, बाढ़ आदि से बचाने के लिए हमारे प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्र फसल बीमा योजना की शुरुआत कर दी हैं, जिससे सभी अनाजों, तिलहन और वार्षिक वाणिज्यक, बागवानी फसलें शामिल है। खरीफ 2016 में लगभग 366.64 लाख किसान कवर हुए हैं।
- हमारे दूरदर्शी प्रधान मंत्री श्री मरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि को बढ़वा देने एवं खाद्य उत्पादन के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए बहुत सारी कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं को शुरुआत भी की गई हैं। इन में से प्रमुख जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि मशीनीकरण, राष्ट्रीय कृषि विपणन, किसान सुविधा मोबाइल एप, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मत्स्य विकास प्रबंधन, समेकित कृषि प्रणाली माडल आदि हैं।
- प्रधानमंत्री जी द्वारा लैब टु लैंड, पानी, मिट्टी, उत्पादकता, लाभ प्रसंस्करण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इनमें फार्मर फर्स्ट, आर्या, स्टूडेन्ट रेडी, मेरा गाँव, मारा गौरव का नाम भी आता है।
- मैं आशा करता हूँ कि इस तीन दिवसीय मेले में किसान भाई को हम सब प्रोग्राम की झलकियाँ को देखने का अवसर मिलेगा।

- किसान भाई इस अवसर का भरपूर लाभ उठाकर अपना एवं अपने देश के विकास में भागीदार बनें।

जय किसान ।। जय विज्ञान।।